भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः †1729

उत्तर देने की तारीख 30 जुलाई, 2025 (बुधवार)

8 श्रावण, 1947 (शक)

प्रश्न

एनईएसआईडीएस-ओटीआरआई के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र

†1729. श्री तापिर गावः

श्री विष्णु दयाल रामः

श्रीमती बिजुली कलिता मेधीः

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर-पूर्व विशेष अवसंरचना विकास योजना-सड़क अवसंरचना के अलावा (एनईएसआईडीएस-ओटीआरआई) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत अब तक शुरू की गई और पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या कितनी है; और

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजानाओं पर कितना व्यय किया गया है?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ग) उत्तर पूर्व विशेष अवसंरचना विकास स्कीम (एनईएसआईडीएस) को वर्ष 2017-18 में एक नई केंद्रीय क्षेत्र स्कीम के रूप में अनुमोदित किया गया था और वर्ष 2022-23 में इसे दो घटकों अर्थात एनईएसआईडीएस (सड़क) और एनईएसआईडीएस (सड़क अवसंरचना के अतिरिक्त) में पुनर्गठित किया गया था। एनईएसआईडीएस-ओटीआरआई का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य देखभाल, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा, जलापूर्ति, ठोस अपशिष्ट निपटान, औद्योगिक विकास, नागर विमानन, खेल, दूरसंचार आदि के अवसंरचना निर्माण हेतु परियोजनाओं के लिए आठ पूर्वोत्तर राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पूर्वोत्तर क्षेत्र का केंद्रित विकास सुनिश्चित करना है। एनईएसआईडीएस को एनईएसआईडीएस (ओटीआरआई) और एनईएसआईडीएस (सड़क) में पुनर्गठित करने के बाद, आठ पूर्वोत्तर राज्यों को एनईएसआईडीएस-ओटीआरआई के तहत 1976.58 करोड़ रुपये लागत की कुल 25 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उपर्युक्त परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनके अंतर्गत कुल मिलाकर 446.76 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है।

*****